

मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग

क्रमांक/7/23/79/10/3

भोपाल, दिनांक 16, सितम्बर 1985

प्रति,

प्रमुख वन संरक्षक

मध्यप्रदेश, भोपाल

विषय:- मध्यप्रदेश के वनों से निस्तार सुविधाएं ।

-----0-----

राज्य शासन ने उपरोक्त पत्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनसाधरण को उपलब्ध कराई जाने वाली निस्तार सुविधा बाबत निर्देश जारी किये थे एवं दरों का निर्धारण किया था । राज्य शासन द्वारा उक्त विषय पर विचार किया जाकर इन सुविधाओं में या दरों में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गा है जो निम्नानुसार है :-

1-बांस:-बांस प्रदाय के संबंध में व्यवस्था निम्नानुसार रहेगी:-

(अ) ग्रामीणों के लिये:- प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वर्ष 250 तक बांस दिये जायेंगे । बांस का प्रदाय विभागीय डिपो से ही किया जावेगा । बांस की रायल्टी रूपये 0.25 प्रति बांस होगी तथा इसमें वास्तविक कटाई एवं ढुलाई व्यय लगाते हुये डिपो से प्रदाय दर वन संरक्षक द्वारा निर्धारित की जायेगी ।

(ब) बसोडो के लिये:- प्रत्येक बसोड परिवार को प्रति वर्ष उपलब्धता के आधार पर 1500 बांस तक प्रदाय किये जायेंगे । प्रदाय विभागीय डिपो से किया जायेगा । वनों से 40 कि.मी. तक की दूरी वाले डिपो से प्रथम 500 बांस की दर रूपये 0.60 प्रति बांस एवं इससे अधिक व 1500 तक रूपये 0.75 प्रति बांस रहेगी । 40 कि.मी. से अधिक दूरी वाले डिपो में अतिरिक्त परिवहन व्यय जोड़कर दरों का निर्धारण वन संरक्षक द्वारा किया जायेगा ।

(स) पान बरेजा के लिये:- उपरोक्त आवश्यकता की पूर्ति होने पर उपलब्धता के आधार पर पान बरेजा वालों को बांस उपलब्ध कराया जायेगा । प्रदाय विभागीय डिपो से किया जायेगा । बांस की रायल्टी रूपये 1.50 प्रति बांस रहेगी एवं वास्तविक कटाई ढुलाई व्यय जोड़कर डिपो से प्रदाय दर का निर्धारण वन संरक्षक द्वारा किया जायेगा ।

(द) फल उत्पादकों, अगरबत्ती निर्माताओं, ओर बीड़ी की चोखट बनाने वालों के लिये औद्योगिक बांस अधिकतम पाँच नोशनल टन तक एक वर्ष में दिया जा सकेगा एवं प्रदाय दर रूपये 200/- प्रति नोशनल टन या मिलों को प्रदाय दर जो भी अधिक ही रहेगी । प्रत्येक वर्ष इन दरों की सूचना मुख्य वन संरक्षक द्वारा संबंधित को दी जायेगी ।

(2) जलाऊ लकड़ी:-

(अ) शासकीय वनों से गिरी, पड़ी, मरी, सूखी जलाऊ लकड़ी सिरबोझ से स्वयं के निस्तार या बेचने के लिये निःशुल्क ले जाई जा सकती है ।

(ब) इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक निस्तार के लिये वनों से गिरी, पड़ी, मरी, सूखी लकड़ी उपलब्धता के आधार पर बैलगाड़ी या भैसागाड़ी द्वारा ले जा सकते हैं जिसका शुल्क रूपये 6 प्रति गाड़ी होगा । बस्तर जिले में यह दर 3/- रूपये ही रहेगी । यह सुविधा उन क्षेत्रों में ही वन अधिकारी द्वारा दी जायेगी जहाँ गिरी, पड़ी, मरी, सूखी लकड़ी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो ।

(स) यदि निस्तार की पूर्ति के पश्चात भी वनों में गिरी, पड़ी, मरी, सूखी जलाऊ लकड़ी शेष रहती है तो उन्हें बैलगाड़ी/भैसागाड़ी द्वारा विक्रय हेतु भी दिया जा सकेगा । यह दर रूपये 18/- प्रति गाड़ी होगी । बस्तर जिले में यह दर रूपये 4/- प्रति गाड़ी होगी । इस कार्य हेतु जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराने का निर्णय वन मंडलाधिकारी द्वारा लिया जायेगा । यह दरें दिनांक एक अक्टूबर 1985 से लागू मानी जायेगी ।

निस्तारी व इमारती लकड़ी एवं काटों के संबंध में शासन द्वारा पूर्व में जारी निर्देश पूर्ववत रहेंगे ।

(के.के. सेठी)

सचिव

मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग

भोपाल, दिनांक 16, सितम्बर 1985

पृ.क्र.7/23/79/10/3

प्रतिलिपि:-

- 1- समस्त आयुक्त, मध्यप्रदेश
- 2- समस्त जिलाध्यक्ष, मध्यप्रदेश
- 3- समस्त वन संरक्षक, उत्पादन/विकास
- 4- समस्त वन संरक्षक, मध्यप्रदेश.
- 5- समस्त वन मंडलाधिकारी, मध्यप्रदेश.

(के.के. सेठी)

सचिव

मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग